**SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.**
**Affiliation No. 1130703**
**Academic session 2024-25**
**Class Notes/Term 2**

**SUBJECT: HINDI**

**CLASS -6** **Ls.- १७ अविकारी शब्द( व्याकरण)**
**Prepared By: DEEPIKA MEHRA** **Given date -**
**Prepared date -**

---

## अविकारी (अव्यय) शब्द की परिभाषा –

लिंग ,वचन, कारक आदि के कारण जिन शब्दों में कोई परिवर्तन नहीं होता है उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।।
इनकी संख्या चार है –१)क्रिया विशेषण २)संबंध बोधक ३)समुच्चयबोधक ४) विस्मयादिबोधक

**१) क्रियाविशेषण** – जो शब्द क्रिया की विशेषता प्रकट करते हैं , उन्हें क्रिया विशेषण कहा जाता है।

जैसे– धीरे-धीरे बोला करो।

इस वाक्य में "धीरे-धीरे" क्रिया विशेषण है। क्योंकि बोलना शब्द क्रिया है और क्रिया की विशेषता प्रकट हो रही है।

## क्रिया विशेषण के भेद–

क्रिया विशेषण के चार भेद होते हैं।

**क) कालवाचक क्रियाविशेषण**– जिस शब्द से क्रिया के होने के समय का ज्ञान हो अर्थात क्रिया कब हो रही है यह पता चले तो उसे कालवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।

जैसे–**परसों** मुझे मसूरी जाना है।

**ख) स्थानवाचक क्रिया विशेषण**– जिस शब्द से क्रिया के स्थान का बोध होता है अर्थात क्रिया कहाँ घट रही है यह पता चलता है ,उसे स्थान वाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।

जैसे –अमित भाटिया **ऊपर** बैठा है।

**ग) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण**– जो शब्द क्रिया के परिमाण अथवा नापतौल का बोध कराता है उसे परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।

जैसे – छोटे बच्चे **बहुत** रोते हैं।

**ज्यादा** खाना सेहत के लिए ठीक नहीं।

**घ) रीतिवाचक क्रियाविशेषण**– जिन क्रिया विशेषणों के द्वारा क्रिया की रीति ढंग या तरीके का बोध होता है ,यानी यह पता चले कि कोई क्रिया किस प्रकार हो रही है उन्हें रीति वाचक क्रिया विशेषण कहा जाता है।

जैसे –तुम **धीरे-धीरे** चला करो।

**२) संबंधबोधक**– जो अव्यय शब्द, संज्ञा या सर्वनाम के बाद आकर उनका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ प्रकट करते हैं उन्हें, संबंध बोधक अव्य कहा गया है।

जैसे – राम **के आगे** तुम चलो उस **के पीछे** में आता हूँ।

**३) समुच्चयबोधक या योजक** – समुच्चय का अर्थ होता है –संग्रह या मेल और बोधक का अर्थ है– बताने वाला।योजक का मतलब है –जोड़ने वाला। अतः समुच्चयबोधक का अर्थ हुआ ऐसे शब्द जो दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ते हैं।

जैसे–मम्मी **और** पापा टीवी देखते हैं

अमन ने मेहनत तो की **परंतु** पास ना हो पाया।

**४) विस्मयादिबोधक**– जो शब्द हर्ष ,शोक, आश्चर्य , घृणा आदि भावों को प्रकट करते हैं ,उन्हें विस्मयादिबोधक कहा गया है।

जैसे – **वहा !** मजा आ गया।

**हाय राम!** यह क्या हो गया?